International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 01, Jan- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

वर्तमान समय में ई-लर्निंग शिक्षा का महत्व एवं विकास

आलोक शुक्ला
शोध छात्र, शिक्षाशास्त्र विभाग, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय , गजरौला , अमरोहा(उत्तर प्रदेश)
डॉ. योगेश्वर प्रसाद शर्मा
एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र विभाग, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय , गजरौला , अमरोहा(उत्तर प्रदेश)

शोध सारांश

शिक्षा जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। शिक्षा एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है सीखना या सिखाना होता है। शिक्षा हम किसी भी माध्यम के द्वारा ग्रहण कर सकते है। शिक्षा मनुष्य को बौद्धिक रूप से तैयार करती है। वैसे ही आज के आधुनिक युग में शिक्षा प्राप्त करने का एक सरल तरीका है ऑनलाइन शिक्षा । ऑनलाइन शिक्षा एक सहज अनुदेशात्मक वितरण प्रक्रिया है जिसमें इंटरनेट के माध्यम से होने वाली कोई भी सीख शामिल है। ऑनलाइन शिक्षण शिक्षकों को उन छात्रों के साथ संवाद करने में सक्षम बनाता है जो पारंपरिक कक्षा कोर्स में दाखिला लेने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। प्रत्येक अनुशासन में उल्लेखनीय गति के साथ दूरस्थ शिक्षा और ऑनलाइन डिग्री प्रदान करने की मात्रा में वृद्धि दर्ज की जा रही है। ऑनलाइन शिक्षा प्रदान करने वाले स्कूल और संस्थान भी संख्या में बढ़ रहे हैं। ऑनलाइन तरीकों से डिग्री हासिल करने वाले छात्रों को यह सुनिश्चित करने में ईमानदार रहना चाहिए कि उनका कोर्सवर्क एक मूल्यवान और प्रमाणित विश्वविद्यालय के माध्यम से पूरा हो। ऑनलाइन शिक्षा तालमेल का लाभ प्रदान करने के लिए जानी जाती है। इन संचारों के माध्यम से, स्रोत साझा किए जाते हैं, और सीखने की प्रक्रिया के माध्यम से एक खुला तालमेल विकसित होता है। जब प्रत्येक व्यक्ति दूसरों के कार्य कोर्स पर चर्चाओं और टिप्पणियों के माध्यम से एक दृष्टिकोण या राय देता है, तो इससे छात्र को बेहतर सीखने में लाभ होता है। यह अनूठा लाभ छात्रकेंद्रित आभासी शिक्षण वातावरण में प्रकट होता है जिसमें - अकेले ऑनलाइन शिक्षण प्रारूप ही योगदानदे सकता है।

शब्द कुंजी -वर्तमान विकास ,शिक्षा ,लर्निंग-ई ,

भूमिका -:

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 01, Jan- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के युग में शिक्षा में बदलाव आया है। सूचना विस्फोट और उसके बाद ज्ञान विस्फोट ने आज लोगों के जीवन में जबरदस्त बदलाव ला दिया है और इसका प्रभाव शिक्षा के क्षेत्र में भी देखा जा रहा है। आईसीटी द्वारा वैश्विक कनेक्टिविटी की सुविधा के साथ, आज किसी भी जानकारी की खोज करना बच्चों का खेल बन गया है। इस डिजिटल युग में आने वाली पीढ़ियाँ टेक्नोलॉजी को संभालने, प्रबंधित करने और उसके साथ काम करने में बहुत माहिर हैं। यहां तक कि छोटे शिशु और बच्चे भी, संभवतः अपनी आनुवंशिक विरासत के कारण, स्मार्टफोन और अन्य आधुनिक गैजेट चलाने में सक्षम हैं। इस प्रकार, ये गैजेट आधुनिक जीवन की दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बन गए हैं। इस बदलाव के कारण कुछ बुद्धिजीवियों में यह विवाद है कि क्या शिक्षक कंप्यूटर की जगह ले सकते हैं। फिर भी, शिक्षकों के मूल्य के समर्थकों की संख्या स्वयं प्रौद्योगिकी के समर्थकों से कहीं अधिक है। यह काफी हद तक सहमत है कि शिक्षक सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग के साथ अपनी शिक्षण विधियों को पूरक कर सकते हैं। संपूर्ण शिक्षणअधिगम प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका को कम करके नहीं - बार जोर दिया -आंका जा सकता। विभिन्न आयोगों और समितियों द्वारा शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर बार गया है। भारत में कोठारी आयोग की अत्यंत लोकप्रिय टिप्पणी में की गई थी जिसमें कहा गया था कि कोई 1964 भी व्यक्ति अपने शिक्षकों के स्तर से ऊपर नहीं उठ सकता। कक्षाओं में शिक्षक प्रतिस्थापन के प्रश्न का उत्तर | [1]में दिया था 1988 कोठारी ने

ऑनलाइन शिक्षा का महत्व

24 घंटे शेड्यूल पर चलने वाले वैश्विक व्यापार समाज में निर्देशात्मक वितरण के लिए ऑनलाइन शिक्षा एक व्यवहार्य और रोमांचक तरीका बन गई है क्योंकि यह छात्रों को अत्यधिक लचीलापन प्रदान करती है। इंटरनेट और कंप्यूटर प्रौद्योगिकी के उपयोग में आसानी के साथ, आजकल, छात्र किसी भी समय और कहीं भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं जो आमतौर पर केवल पारंपरिक कक्षा के माध्यम से ही प्राप्त की जा सकती है। इसके अलावा, अध्ययनों से पता चला है कि छात्र ऑनलाइन कक्षा में भी पारंपरिक कक्षा की तरह ही कुशलता से सीखते हैं।ऑनलाइन शिक्षा शिक्षक और छात्र को अपनी सीखने की गति निर्धारित करने में सुविधा प्रदान करती है। इसमें एक शेड्यूल सेट करने का अतिरिक्त लचीलापन है जो हर किसी की वस्तुओं की सूची में फिट बैठता है।परिणामस्वरूप, ऑनलाइन शैक्षिक प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करने से काम और पढ़ाई में बेहतर संतुलन बनता है,

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 01, Jan- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

इसलिए जीवन के किसी भी क्षेत्र में कुछ भी छोड़ने की आवश्यकता नहीं है।ऑनलाइन शिक्षा का सबसे नाजुक हिस्सा यह है कि भारत में छात्र इस अवधारणा को लेकर उत्साहित हैं। वे एक आदर्श और संवादात्मक वातावरण में सीखते हुए अपने कौशल और क्षमताओं का प्रदर्शन करना चाहते हैं।ऑनलाइन शिक्षा ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में आने वाली भौगोलिक और वित्तीय बाधाओं को दूर कर दिया है।ऑनलाइन शिक्षा पेशेवरों को समवर्ती कार्य करते हुए अपने कौशल सेट को पुनर्प्राप्त करने और अद्यतन करने की सुविधा प्रदान करती है। इससे उन्हें प्रस्तुत प्रगति और प्रौद्योगिकियों के बारे में अद्यतन रहने में मदद मिलती है।ऑनलाइन शिक्षा के साथ शिक्षा की गुणवत्ता और सामान्य तौर पर सीखने के अनुभव में अद्भुत विकास देखा गया है। भारत में अधिकांश छात्र आईटी और बिजनेस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं। ऑनलाइन शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण पहलू हैकोई -[2]प्रतिबंध नहीं।भारत की प्रतिभा और जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए, दूरस्थ शिक्षा का भविष्य बहुत आशाजनक है और छात्रों की अपेक्षाएँ अपेक्षाकृत अधिक हैं। इसके अलावा, कई व्यावसायिक प्रतिस्पर्धियों ने इस उद्योग के बढ़ते दायरे को देखा है और ऑनलाइन शिक्षा क्षेत्र में प्रवेश करने की योजना बना रहे हैं। संक्षेप में, ऑनलाइन शिक्षा इस स्तर पर भारत में शिक्षा परिदृश्य को नवीनीकृत करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम

- ई-पुस्तकेंसंसाधनोंकेवर्तमानमूल्यांकनमेंमददकरतीहैं|
- पत्रिकाएँ बहुमूल्य जानकारी देने में मदद करती हैं|
- वीडियो ज्ञान प्राप्त करने में मदद करते हैं|
- दिन के किसी भी समय संदर्भित करने के लिए रिकॉर्ड किए गए व्याख्यान|
- प्राप्त अनुभव तक पहुँचने के लिए प्रश्नोत्तरी|
- सभी की राय और विचार सुनने के लिए चर्चा मंच[3]|

ऑनलाइन शिक्षा के उद्देश्य

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 01, Jan- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

ऑनलाइन शिक्षा एक नया चलन बन गया है और हर छात्र सीखने और अभ्यास करने को इच्छुक है। छात्रों के अलावा, कामकाजी पेशेवरों को भी ऑनलाइन सीखने से लाभ होता है। इसने समय और प्रौद्योगिकी के साथ कौशल को समृद्ध करने और निखारने के लिए एक मंच दिया है।

- ऑनलाइनशिक्षासेसीखने-सिखाने की गुणवत्ता विकसित करें।
- ऑनलाइन शिक्षा द्वारा छात्रों की सीखने की शैली या जरूरतों को पूरा करना।
- ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से शिक्षण और विकास की दक्षता और प्रभावशीलता का विकास करना।
- वर्तमान सेवाओं, नई सेवाओं के संतुष्टि स्तर पर उपयोगकर्ताओं से प्रतिक्रिया प्राप्त करें और तदनुसार परिवर्तन निष्पादित करें।
- ऑनलाइन शिक्षा का लाभ विभिन्न तरीकों से उठाया जा सकता है क्योंकि छात्र कई संस्थानों में दाखिला ले सकते हैं[4]|

ऑनलाइन सीखने में चुनौतियाँ:

ऑनलाइन शिक्षण के साथ आमनेसामने सीखने की तुलना करने से ऑनलाइन मोड में महत्वपूर्ण कमियां सामने - आती हैं जैसे मानवीय जुड़ाव की कमी, सहयोगात्मक सीखने के अवसरों की कमी, शिक्षक पर्यवेक्षण और सबसे स्पष्ट जटिल विषयों में हाथों से सीखने के अवसरों की कमी। जैसे विज्ञान और गणितइसके अलावा ., ऑनलाइन कक्षाओं की मेजबानी की भीड़ के बीच शिक्षार्थियों को मल्टीपल इंटेलिजेंस [5](एमआई), टात्ज़ लर्निंग स्टाइल और एक अलग सीखने का अनुभव प्रदान करने जैसी सर्वोत्तम शिक्षण प्रथाओं को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। तो एक स्कूल का प्रमुख ऑनलाइन मोड में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की चुनौतियों का समाधान कैसे करता है और क्या छात्रों को समृद्ध, गहन और समग्र शिक्षण अनुभव प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना संभव है?

निष्कर्ष

जबकि शिक्षार्थी स्कूलों में वापस आने के लिए इंतजार नहीं कर सकते हैंऑनलाइन सीखने का यह दौर . प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और इसे प्रदान करने के लिए उनकी अपनी तैयारियों की अंतर्दृष्टि के मामले में समृद्ध बना देगा। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि प्रौद्योगिकी शिक्षकों की जगह नहीं ले

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 01, Jan- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

सकती और शिक्षकों की भूमिका अभी भी प्रासंगिक है, शिक्षक और छात्रों के बीच पैदा हुए शून्य को भरना जरूरी है, हालांकि आईसीटी के आगमन के साथ शिक्षकों की भूमिका में कई बदलावों की आवश्यकता है। आईसीटी-सक्षम समाज में, शिक्षकों पर छात्रों को प्रचुर जानकारी का प्रबंधन करने, सही और गलत के बीच भेदभाव करने की शक्ति विकसित करने, उन्हें काम की दुनिया के लिए तैयार करने और प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सक्षम बनाने की सुविधा और मार्गदर्शन करने की बड़ी जिम्मेदारी है। वास्तविक जीवन की चुनौतियों के साथ। यह सब किया जा सकता है यदि शिक्षकों में इच्छा शक्ति, दृढ संकल्प और सकारात्मक दृष्टिकोण हो कि वे सबसे पहले खुद को टेक्नोफ्रेंडली बनें और फिर जब उन्हें इसका क्रियान्वयन दिखे। वास्तव में सीखने की प्रक्रिया को अधिक - रोचक, विविध, समृद्ध और कक्षा में व्यक्तिगत मतभेदों के लिए भी उपयुक्त बना दिया है, वे इसे अपनी कक्षा में अपनी उन्नत शिक्षण सामग्री के रूप में बनाएंगे। इस प्रकार, तकनीकी विकास द्वारा लाई गई बदलती भूमिका के लिए शिक्षकों को स्वयं तैयार रहने की आवश्यकता है। आईसीटी के उचित उपयोग से वैश्वीकृत दुनिया में ज्ञान समाज में प्रभावी परिवर्तन होगा और समाज में बेहतर शिक्षण और सीखने का माहौल भी बनेगा।

संदर्भ -सूची

1. National Policy on Information and Communication Technology (ICT) in School Education (2012) retrieved from http://www.education.nic.in/secedu/ict.pdf
2. Sarkar (2012) The Role of Information and Communication Technology (ICT) in Higher Education for the 21st Century. The Science Probe. Vol. 1 (1). pp. 30-41.
3. Guide to measuring Information and Communication Technologies (ICT) in education, UNESCO.
4. ICTs for Higher Education, Background paper from the Commonwealth of Learning, UNESCO World Conference on Higher Education, Paris, 5 to 8 July 2009, retrieved from http://unesdoc.unesco.org/images/0018/001832/183207e.pdf
5. NCERT (1970) Education and National Development. Report of the Education Commission (1964-66). New Delhi, NCERT.